RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 22 FEBRUARY TO 28 FEBRUARY 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 23 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

महंगाई पर वार 20 लाख टन गेहूं बेचेगी सरकार Page 2

भारत का यूपीआई सिंगापुर के पे-नाऊ से जुड़ा Page 4

एफएमसी ने भारत में किसानों के लिए ड्रोन स्प्रे सेवाएं पेश कीं Page 7

editoria!

बढ़ता जलवायु जोखिम

हाल के वर्षों में धरती के तापमान में वृद्धि और गंभीर होते जलवायु संकट से वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक आपदाओं की संख्या बढ़ती जा रही है. भारत उन देशों में है, जहां ऐसी स्थिति अपेक्षाकृत अधिक चिंताजनक है. ऑस्ट्रेलिया स्थित क्रॉस डिपेंडेंसी इनिशिएटिव द्वारा तैयार एक रिपोर्ट में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती ऐसी ही बनी रही, तो भारत के 14 राज्यों में 2050 तक प्राकृतिक आपदाओं का संकट बहुत अधिक बढ़ जायेगा. इस रिपोर्ट में विश्व के सबसे अधिक जोखिम वाले 100 राज्यों को चिह्नित किया गया है, जिनमें हमारे देश के इन राज्यों को शामिल किया गया है- बिहार, उत्तर प्रदेश, असम, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, केरल, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश. ये राज्य या तो अधिक आबादी के हैं या जनसंख्या घनत्व अधिक है, इनमें अनेक औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं. खेती के लिहाज से तो सभी अहम हैं. आपदाओं में सबसे अधिक आशंका बाढ़ को लेकर है. बीते वर्षों में अचानक तेज बारिश और बेमौसम की बरसात की घटनाएं बढ़ी हैं. कई शहरों को भारी बाढ़ का सामना करना पड़ा है. पिछले एक-डेढ़ दशक में कई ऐसे वर्ष रहे हैं, जब औसत तापमान ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर पर रहा है. इस वर्ष फरवरी में हिमालयी क्षेत्रों से लेकर समुद्र के किनारे बसे मुंबई तक में पारा सामान्य से अधिक ऊपर रहा है. पिछले साल भी ऐसी ही हालत थी, जिसका असर गेहूं की पैदावार पर पड़ा था. इस वर्ष भी इसी तरह की चिंता जतायी जा रही है. सरकार ने इस असर के अध्ययन के लिए एक समिति का गठन भी किया है. जोखिम वाले राज्यों की संख्या के हिसाब से भारत से आगे केवल चीन ही है. सूची के शीर्षस्थ सौ राज्यों में आधे से अधिक चीन, भारत और अमेरिका के हैं. यह भी ध्यान में रखा जाना चाहिए कि जनसंख्या के पैमाने पर हमारे राज्य कई देशों से बड़े हैं या कमोबेश बराबर हैं, क्षेत्रफल के हिसाब से भी बहुत से देश हमारे राज्यों से छोटे हैं. रिपोर्ट में रेखांकित किया गया है कि जिस राज्य में विभिन्न प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर अपेक्षाकृत अधिक विकसित हैं, वहां जोखिम भी अधिक है. जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है, इसलिए उसका समाधान भी अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहभागिता से ही किया जा सकता है. जलवायु सम्मेलनों और समझौतों के माध्यम से इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास हुए हैं, पर कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए अपेक्षित गति का अभाव है. भारत और वैश्विक समुदाय को अधिक गंभीर होने की आवश्यकता है.

रुपये के सामने डॉलर

पूरी दुनिया में दिखेगी इसकी ताकत

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। इसी के साथ भारतीय रुपये की ताकत भी बढ़ रही है। इसका लोहा अब विदेशी अर्थशास्त्री भी मान रहे हैं। अब जाने-माने अर्थशास्त्री नूरील रूबिनी के मुताबिक, भारतीय रुपया आने वाले समय में नया डॉलर हो सकता है। भारतीय रुपया डॉलर की जगह लेने की ताकत रखता है। एक न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में नूरील रूबिनी ने यह बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय रुपया समय के साथ दुनिया में ग्लोबल रिजर्व करेंसीज में से एक बन सकता है। उनके मुताबिक यह देखा जा सकता है कि भारत दुनिया के बाकी हिस्सों के साथ जो व्यापार रकता है, उसके लिए रुपया कैसे एक वाहन मुद्रा बन सकता है। यह भुगतान का विकल्प हो सकता है। यह स्टोर ऑफ वैल्यू भी बनसकता है। निश्चित रूप से, समय के साथ रुपया दुनिया में ग्लोबल रिजर्व करेंसी की डायवर्सिटी में से एक बन सकता है।

गिर रही है अमेरिका की ग्लोबल इकोनॉमी

अर्थशास्त्री नूरील रूबिनी के मुताबिक, आने वाले समय में जल्द ही डी-डॉलरीकरण यानी डॉलराइजेशन की प्रक्रिया होगी। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका की ग्लोबल इकोनॉमी का हिस्सा 40 से 20 फीसदी तक गिर रहा है। ऐसे में अमेरिकी डॉलर के लिए सभी अंतराष्ट्रीय वित्तीय और व्यापार लेनदेन के दो तिहाई होने का कोई मतलब नहीं है। इसका एक हिस्सा जियोपोलिटिक्स है। अर्थशास्त्री ने दावा किया कि अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के उद्देश्यों के लिए डॉलर को हथियार बना रहा है। इस महीने की शुरुआत में, एक इंटरव्यू में नूरील रूबिनी ने कहा कि अब दुनिया की मुख्य मुद्रा के रूप में अमेरिकी डॉलर की स्थिति खतरे में है।

भारत में दिखेगी विकास की रफ्तार

अब आने वाले समय में भारत में विकास की रफ्तार दिखेगी। नूरील रूबिनी के मुताबिक, भारत में 7% का इजाफा देखा जाएगा। उनके मुताबिक, भारत की प्रति व्यक्ति आय इतनी कम है कि वास्तव में सुधार के साथ, निश्चित रूप से सात प्रतिशत संभव है। लेकिन आपको और भी कई ऐसे आर्थिक सुधार करने होंगे जो उस विकास दर को हासिल करने के लिए ढांचागत हों। वहीं अगर भारत इसे हासिल कर लेता है तो इसे कम से कम कुछ दशकों तक बनाए रख सकता है।

एशियन डेवलपमेंट बैंक के अध्यक्ष पीएम से मिले

विकास के लिए 25 अरब डॉलर के मदद की पेशकश

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मासत्सुगु असकावा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान भारत की विभिन्न विकास प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई। मोदी के साथ बैठक के बाद एडीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि अध्यक्ष असकावा ने तेज, समावेशी और हरित विकास के लिए देश की आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए अगले पांच वर्षों में 20 से 25 अरब डॉलर की सहायता प्रदान करने की इच्छा जाहिर की है। पीएम मोदी और एडीबी के असकावा ने भारत के बुनियादी ढांचे और सामाजिक विकास और जलवायु कार्यों के लिए बैंक के समर्थन सहित कई मुद्दों पर बातचीत की। असकावा ने भारत के जी-20 की अध्यक्षता संभालने पर पीएम मोदी को बधाई दी और जी-20 एजेंडे के लिए बैंक के समर्थन की फिर से पुष्टि की। असकावा ने विज्ञप्ति में कहा, ''भारत और एडीबी के बीच लंबी और मूल्यवान साझेदारी रही है और हम क्षेत्र की जटिल विकास चुनौतियों से निपटने के लिए इसे बढ़ाने के लिए आशान्वित हैं। उन्होंने कहा, 'एडीबी भारत की प्रमुख प्राथमिकताओं के लिए बहुमुखी समर्थन प्रदान करेगा, जिसमें पीएम की गति शक्ति योजना के (मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान) पहल के तहत महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना, भविष्य के शहरों का निर्माण, घरेलू संसाधनों को जुटाना और वंचित जिलों में बुनियादी सेवाओं को मजबूत करना शामिल है। इसके अलावा, एडीबी ने कहा कि यह परिवहन के डीकार्बोनाइजेशन और स्वच्छ ऊर्जा संचरण का समर्थन करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। कोरोना महामारी से प्रभावी ढंग से निपटने और महामारी के बाद त्वरित सुधार सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए असकावा ने कहा कि महामारी के कारण उत्पन्न व्यवधानों के बावजूद भारत वित्त वर्ष 2022-23 में अपेक्षित सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। एडीबी के अध्यक्ष ने पीएम मोदी से मिलने के अलावा उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। एडीबी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि असकावा एडीबी की ओर से वित्त पोषित दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम निवेश परियोजना का दौरा करेंगे और फरवरी 2024 या 2025 में होने वाली जी-25 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक में भाग लेने के लिए बेंगलुरु जाएंगे। एडीबी ने 1986 में भारत में अपना परिचालन शुरू किया था और इसके वर्तमान भारतीय पोर्टफोलियो में परिवहन, शहरी, ऊर्जा, मानव विकास, कृषि और प्राकृतिक संसाधन और वित्त क्षेत्रों में लगभग 16 बिलियन अमरीकी डॉलर की 64 परियोजनाएं शामिल हैं।

महंगाई पर वार: 20 लाख टन गेहूं बेचेगी सरकार

आटे की कीमत में कमी लाने को बेचा जाएगा अतिरिक्त कोटा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

केंद्र सरकार ने आटा के दामों में कमी लाने के लिए एफसीआई के भंडार से खुले बाजार में 20 लाख टन और गेहूं उतारने का फैसला लिया है। खुला बाजार बिक्री योजना-2023 के तहत यह गेहूं आटा मिलों, निजी व्यापारियों, थोक खरीदारों, गेहूं से बने उत्पादों के निर्माताओं को ई-नीलामी के माध्यम से बेची जाएगा। इस फैसले के बाद योजना के तहत इस वर्ष सरकार ने अब तक 50 लाख टन गेहूं बाजार में बेचने का फैसला लिया है। इससे पहले 25 जनवरी को सरकार ने 30 लाख टन गेहूं बाजार में उतारने का फैसला लिया था। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि 20 लाख टन गेहूं की अतिरिक्त बिक्री के साथ आरक्षित मूल्य में कमी आने से सामूहिक रूप से उपभोक्ताओं के लिए गेहूं तथा गेहूं से निर्मित उत्पादों की कीमतों में कमी लाने में मदद मिलेगी।

मिलों को दाम में कमी का निर्देश

बयान में कहा गया है कि आटा मिलों को गेहूं के बाजार मूल्य में कमी के अनुरूप आटा तथा अन्य उत्पादों की कीमतें कम करने की सलाह दी गई है।

चुनौतीपूर्ण वैश्विक व्यापार माहौल के बीच निर्यात में दो अंकों की बढोतरी सराहनीय है : फियो प्रमुख डॉ. ए शक्तिवेल

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

फियो के संस्थापना दिवस संबंधित कार्यक्रम के अवसर पर संबोधित करते हुए फियो अध्यक्ष डॉ. ए शक्तिवेल ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के दौरान देश का संचयी निर्यात 780-800 बिलियन डॉलर के बीच रहने का अनुमान है जो पिछले वर्ष 2021-22 के 672 बिलियन डॉलर की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि प्रदर्शित करता है।

फियो प्रमुख ने कहा कि जब वैश्विक स्थिति कठिन होती जजा रही है और वैश्विक व्यापार में नरमी आ रही है, निर्यात में दो अंकों दो अंकों की बढोतरी उत्साहजनक है क्योंकि हमारे कई प्रतिस्पर्धी देशों के निर्यात में तेज गिरावट देखी जा रही है। डॉ. शक्तिवेल ने कहा कि वस्तु व्यापार के 440-450 बिलियन डॉलर के बीच रहने का अनुमान है जबकि सेवाओं का निर्यात 340-350 बिलियन डॉलर के बीच रह सकता है।

चीन के बाद अब कतर से आई अच्छी खबर इस कमोडिटी के आयात से हटाया प्रतिबंध

कोलकाता। एजेंसी

अभी कुछ ही दिन पहले चीन से हमें अच्छी खबर मिली थी। इसके बाद पश्चिम एशियाई देश कतर से भी ऐसी ही खबर मिली है। खबर है कि कतर ने भारत से फ्रोजन सीफूड के आयात पर अपना अस्थायी प्रतिबंध उठा लिया है। इससे भारत से सीफूड का निर्यात तो बढ़ेगा ही। साथ ही कतर के साथ द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है।

कब लगा था प्रतिबंध

भारतीय फ्रोजन सीफूड पर कतर ने पिछले साल नवंबर में प्रतिबंध लगाया था। वहां उसी समय फीफा विश्व कप का आयोजन होना था। लेकिन उससे पहले ही भारत से गए फ्रोजन सीफूड के कई कंसाइनमेंट में कथित रूप से न्नैंग्द म्प्दर्ती के विषाणु पाए गए थे। उसके बाद कतरी अधिकारियों ने भारत को प्रतिबंध की सूचना दी थी। हालांकि यह भी बताया गया था कि प्रतिबंध अस्थायी है।

वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी हुए सक्रिय

FIFA World Cup खत्म होने के बाद कतर में भारत के दूतावास के साथ भारत सरकार के वाणिज्य विभाग ने इस मसले को उठाया। तब से इस मुद्दे को हल करने के लिए वे लगातार प्रयास कर रहे थे। अब जा कर कतर के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय से एक अधिसूचना आई है। बीते 16 फरवरी को जारी इस अधिसूचना में बताया गया है कि फ्रोजन सीफूड पर प्रतिबंध हटा दिया गया है। हालांकि, चिल्ड सीफूड के निर्यात पर अभी भी प्रतिबंध जारी है।

चीन ने खत्म किया सस्पेंशन

मरीन प्रोडक्ट एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी एमपीईडीए के अध्यक्ष डी.वी. स्वामी का कहना है कि यह सप्ताह भारतीय सीफूड एक्सपोर्ट के लिए बढ़िया रहा है। पहले तो चीन ने इस तरफ के सीफूड पर सस्पेंशन वापस लिया। अब कतर से भी ऐसी सूचना आ गई। उन्होंने उम्मीद जताई कि शीघ्र ही कतर भारत के चिल्ड सीफूड पर भी लगे निर्यात प्रतिबंध को हटा लेगा। उल्लेखनीय है कि बीते 14 फरवरी को ही चीन ने 99 भारतीय समुद्री खाद्य-प्रसंस्करण निर्यातकों के निलंबन को खत्म कर दिया था।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

विज्ञान की शक्ति से अपने करियर की क्षमता को अनलॉक करें - वर्मा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

विज्ञान - एक ऐसा क्षेत्र है जिसने सदियों से मानवता को मोहित किया है, व्यापक रूप से सबसे बौद्धिक रूप से उत्तेजक और सामाजिक रूप से प्रभावशाली क्षेत्रों में से यह एक माना जाता है। इसके व्यापक दायरे में विविध विषयों की एक श्रृंखला शामिल है, जो दुनिया की व्यापक समझ और मानव खोज की अंतहीन क्षमता प्रदान करती है। हालांकि, इसके गहन प्रभाव के बावजूद, कुछ लोग विज्ञान को भयभीत करने वाले या कॅरिअर की कुछ संभावनाओं तक सीमित के रूप में देख सकते हैं। सच्चाई यह है कि विज्ञान में करियर अविश्वसनीय रूप से विविध हैं और हमारी दुनिया के बारे में ज्ञान और समझ का खजाना हमें प्रदान करते हैं। वे समस्या के समाधान, महत्वपूर्ण सोच और डेटा विश्लेषण जैसे मूल्यवान कौशल विकसित करने के अवसर भी प्रदान करते हैं।

शैक्षणिक केंद्र प्रमुख, विजय नगर-इंदौर के राहुल वर्मा का कहना है कि इतिहास के रहस्यों को उजागर करने से लेकर समाज के विकास को समझने और मानव प्रकृति की खोज करने तक, विज्ञान के अनुप्रयोग इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और चिकित्सा जैसे पारंपरिक विषयों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं।

विज्ञान में समाज को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता है, और वैज्ञानिक पृष्ठभूमि वाले लोगों के पास करियर बनाने का अवसर है जो भविष्य की पीढ़ियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। शिक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जहां एक वैज्ञानिक पृष्ठभूमि अमूल्य साबित हो सकती है। विज्ञान पारंपरिक और गैर-पारंपरिक दोनों क्षेत्रों में कैरियर की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। एक वैज्ञानिक पृष्ठभूमि विशेष रूप से प्रबंधन परामर्श, प्रौद्योगिकी रणनीति, व्यवसाय खुफिया विश्लेषण और अन्य जैसे क्षेत्रों में कई दरवाजे खोल सकती है।

एक वैज्ञानिक पृष्ठभूमि स्वास्थ्य सेवा में करियर के विभिन्न रास्ते खोल सकती है। जबकि पारंपरिक करियर जैसे कि डॉक्टर और चिकित्सा पेशेवर अक्सर दिमाग में आते हैं, ऐसी कई अन्य भूमिकाएँ हैं जो गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने में समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, फार्मासिस्ट, जीवन रक्षक दवाओं के विकास और वितरण में एक आवश्यक भूमिका निभाते हैं, जबकि बायोमेडिकल इंजीनियर ऐसे नवीन चिकित्सा उपकरणों को डिजाइन और विकसित करते हैं जो मरीजों के परिणामों में सुधार करते हैं। विज्ञान यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है कि लोकतंत्र सुचारू रूप से कार्य करे। एक क्षेत्र जहां यह विशेष रूप से स्पष्ट है वह कानून का क्षेत्र है, जहां वैज्ञानिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति अपनी विशेषज्ञता का उपयोग उन नियमों और विनियमों को स्थापित करने के लिए कर सकते हैं जो समाज को नियंत्रित करते हैं और व्यक्तियों के अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं।

जल्द आएंगी फ्लेक्स इंजन कारें, खोज रहे कचरे से सड़क बनाने के तरीके

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सड़कों को अमेरिका जैसी बनाने की दिशा में काम जारी है। रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाइवे मंत्री नितिन गडकरी ने फिर से अपनी बात को दोहराया है। वे इकॉनोमिक टाइम्स की ग्लोबल बिजनस समिट 2023 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि एनएचएआई (ऊँ) ने 16,000 किलोमीटर रोड कॉन्ट्रैक्ट देने का लक्ष्य रखा है। गडकरी ने कहा कि एनएचएआई बांड्स पर 8.50 फीसदी का ब्याज ऑफर हो रहा है। इसमें लोगों को निवेश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आठ लाख करोड़ रुपये के सागरमाला प्रोजेक्ट को पहले ही जारी किया जा चुका है। गडकरी ने समिट में कहा कि साल 2025 तक 2 लाख किलोमीटर के नेशनल हाइवेज का लक्ष्य है।

हर दिन बन रहा 38 किलोमीटर हाईवे

गडकरी ने कहा कि हर दिन 38 किलोमीटर हाईवे का निर्माण हो रहा है। गडकरी ने उनके मंत्रालय के तहत 6 कंस्ट्रक्शन वर्ल्ड रेकॉर्ड के बारे में भी बताया। गडकरी ने कहा, 'दिल्ली से हरिद्वार, देहरादून, अमृतसर और श्रीनगर के बीच यात्रा का समय कम किया जाएगा।' उन्होंने कहा कि पेट्रोल और एथेनॉल से चलने वाली फ्लेक्स इंजन कारें जल्द ही आएंगी। उन्होंने कहा कि एग्रीकल्चर ग्रोथ रेट चिंता की बात है। 124 जिलों में एग्रो-इनिशिएटिव्ज पर फोकस किया जाएगा।

कचरे से बनेगी सड़क

गडकरी ने बताया कि धौलाकुआं (दिल्ली) से मानेसर (हरियाणा) रोपवे मास ट्रांजिट सिस्टम पर विचार किया जा रहा है। जोजिला टनल (जम्मू-कश्मीर) को अगले साल जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में नगर निगम के ठोस कचरे का उपयोग करने के तरीके तलाशे जा रहे हैं। गडकरी ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए पूंजी की कोई कमी नहीं है। गडकरी ने 'गोबर से डिस्टेंपर पेंट' पहल की बात की है।

दिल्ली से जयपुर जाने में लगेंगे 2 घंटे

गडकरी ने बताया कि 8 लेन का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे होगा। इसमें 276 किमी काम पूरा कर दिया गया है। अब दिल्ली से जयपुर जाने में 2 घंटे लगेंगे। वहीं, दिल्ली से मुंबई जाने में 12 घंटे लगेंगे। इसकी लंबाई 1386 किलोमीटर है। यह एशिया में सबसे लंबा है। यह एक्सप्रेस-वे कई सारे फायदे देगा।

इन उत्पादों पर घटा जीएसटी

पेंसिल-शार्पनर और राब हुए सस्ते, पान मसाले पर भी बड़ा फैसला

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की दो रिपोर्ट्स को काउंसिल द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। 49 वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद प्रेस ब्रीफिंग में वित्त मंत्री ने यह बात कही। वित्त मंत्री ने कहा कि 16,982 करोड़ रुपये का सारा जीएसटी मुआवजा सैस क्लियर किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि आज सारा बकाया जीएसटी कंपनसेशन सैस जारी कर दिया गया है।

49 वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतरमण ने इस बैठक की अध्यक्षता की है। इस बैठक में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, राज्यों के वित्त मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में राज्यों ने वित्त वर्ष 2021-22 के जीएसटी मुआवजे की गलत गणना का मुद्दा उठाया था। इस बैठक से पहले सीतारमण ने कहा था कि पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के तहत लाने के लिए राज्यों को एक एग्रीमेंट पर पहुंचने की जरूरत है।

राब और पेंसिल-शार्पनर पर जीएसटी घटा

जीएसटी काउंसिल की बैठक में कई उत्पादों पर जीएसटी घटाने का फैसला लिया गया है। तरल गुड़ (लिक्विड जैगरी/राब) पर जीएसटी को 18 फीसदी से घटाकर 0 कर दिया गया है। वहीं, अगर यह प्री-पैकेज्ड और लेबल्ड है, तो 5 फीसदी जीएसटी लगेगा। इसके अलावा पेंसिल-शार्पनर पर भी जीएसटी को घटाया गया है। पेंसिल और शार्पनर पर जीएसटी रेट को 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी कर दिया गया है।

पान मसाला पर यह हुआ फैसला

जीएसटी काउंसिल की बैठक में पान मसाला और गुटखा पर भी बड़ा फैसला हुआ है। अब पान मसाला और गुटखा पर उत्पादन के हिसाब से जीएसटी लगेगा। इन पर कैपेसिटी बेस्ड टैक्सेशन लागू होगा। वित्त मंत्री ने बताया कि मोटे अनाज यानी मिलेट्स के बारे में जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में विचार किया जाएगा।

गूगल से निकाले गए लोगों ने शुरू किया नया वेंचर

सात लोगों ने मिलकर बनाई नई कंपनी

नई दिल्ली। एजेंसी

गूगल में वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में काम करने वाले एक व्यक्ति को हाल ही में कंपनी के लागत में कटौती के कदम के तहत निकाल दिया गया था। लेकिन हार मानने के बजाय, उन्होंने अपनी खुद की कंपनी स्थापित करने का फैसला किया। हेनरी किर्क नाम के इस शख्स को कई अन्य कर्मचारियों का भी समर्थन मिल रहा है, जिन्हें इसी तरह नौकरी से निकाल दिया गया था।

गूगल में आठ साल तक काम करने वाले किर्क उन 12,000 कर्मचारियों में से एक थे जिन्हें कंपनी ने नौकरी से निकाल दिया था। श्री किर्क ने कहा कि उन्होंने न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को में एक डिजाइन और विकास स्टूडियो स्थापित करने के लिए खुद को और अपनी टीम को छह सप्ताह का समय दिया है। उन्होंने अपनी कहानी साझा करने के लिए लिंक्डइन का सहारा लिया। किर्क का इरादा मार्च में छंटनी अधिसूचना के लिए 60 दिन की समय सीमा समाप्त होने से पहले कंपनी स्थापित करने का है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास 52 दिन बचे हैं। मुझे आपकी मदद चाहिए। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कड़ी मेहनत और परिणाम आपको जीवन में बहुत आगे ले जाएंगे। हालांकि यह घटना उस विश्वास में संदेह पैदा कर सकती है, लेकिन यह मेरा अनुभव है कि ये जीवन चुनौतियां अद्वितीय अवसर पेश करती हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते एक लिंक्डइन पोस्ट में ये बात कही।

उन्होंने कहा कि गूगल के छह पूर्व कर्मचारी भी इस उद्यम में उनके साथ जुड़ रहे हैं। आज मैं एक छलांग लगा रहा हूं और इस त्रासदी को एक अवसर में बदल रहा हूं। मैं अपने भविष्य को आकार देने और मालिक बनने के लिए 6 उत्कृष्ट दद्दुते एक्स गूगलर्स के साथ मिलकर काम कर रहा हूं। हम न्यूयॉर्क और सैन फ्रान्सिसको में एक डिजाइन और डेवलपमेंट स्टूडियो शुरू कर रहे हैं। हाँ, यह शायद ऐसा करने का सबसे खराब समय है। लेकिन यह रोमांचक और चुनौतीपूर्ण है।

अपने स्टार्टअप में वे अन्य स्टार्टअप्स के लिए आवश्यक ज्ञान और सहायता के बिना संगठनों के लिए अन्य कंपनियों के ऐप और वेबसाइटों, इंजीनियरिंग परियोजनाओं के लिए डिजाइन और अनुसंधान उपकरण प्रदान करना चाहते हैं। किर्क ने कहा, 'गूगल के सात बेहतरीन पूर्व कर्मचारी नौकरी से निकाले गए हैं। वे महत्वाकांक्षी सॉफ्टवेयर परियोजनाओं के लिए शोध, डिजाइन और डेलपमेंट सुविधा शुरू करने के लिए उत्सुक हैं।

एविएशन सेक्टर को मिला बूस्ट, डोमेस्टिक पैसेंजर्स की ट्रैफिक जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में फ्लाइट से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। फरवरी 2023 में इसमें रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। डोमेस्टिक एविएशन सेक्टर में तेजी एविएशन सेक्टर के लिए राहत भरी खबर है। फरवरी में एयर ट्रैवल करने वालों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है। ये खबर इसलिए भी खास है, क्योंकि सामान्य तौर पर फरवरी को कम ट्रैफिक वाला पीरियड माना जाता है। हालांकि इस बार कॉरपोरेट ट्रैवल, जी20 मीटिंग, एरो इंडिया जैसे इवेंट के कारण घरेलू पैसेंजर्स की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। फरवरी में औसत डेली डोमेस्टिक पैसेंजर की संख्या दिसंबर 2022 के 410000 के मुकाबले बढ़कर 420000 हो गई है। यानी फरवरी में हर दिन 10 हजार लोगों ने फ्लाइट से सफर किया है। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि रविवार को घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या लगभग 4.45 लाख रही जो अभी तक का एक और कीर्तिमान है। मंत्री ने बताया कि कोविड से पहले, घरेलू यात्रियों की दैनिक औसत संख्या 3,98,579 थी। सिंधिया ने एक ट्वीट में कहा, 'घरेलू हवाई यात्रियों की आवाजाही ने कोविड के बाद एक नया उच्च स्तर हासिल किया। घरेलू विमानन कंपनियों ने रविवार को 4,44,845 लोगों को यात्रा कराई।''

क्यों बढ़ी संख्या

दरअसल जनवरी-फरवरी में देश में फ्लाइट से सफर करने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है, इसके पीछे कुछ कारक है। देश में हो रहे कॉरपोरेट मीटिंग, जी20 सम्मेलन, एरो इंडिया जैसे समिट के कारण एविएशन सेक्टर को बूस्ट मिला है। ऑनलाइन ट्रैवल साइटों से बुकिंग में 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं शादियों के सीजन के कारण फरवरी में ट्रैवल करने वाले पैसेंजर्स की संख्या बढ़ी है।। जानकार मानते हैं कि मार्च में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिलेगा।

Income Tax

आयकर विभाग बताएगा नई या पुरानी कर व्यवस्था में कौन अच्छी

वेबसाइट पर शुरू की टैक्स कैलकुलेटर सुविधा

नई दिल्ली। एजेंसी

आयकर विभाग ने अपनी वेबसाइट पर टैक्स कैलकुलेटर की नई सुविधा शुरू की है। इससे आयकर दाता अब यह पता लगा सकेंगे कि उनके लिए नई या पुरानी कर व्यवस्था में से कौन सी अच्छी है। दरअसल, ज्यादातर लोग अब भी इन दो कर व्यवस्थाओं के कारण भ्रम की स्थिति में हैं। इसके चलते सलाहकारों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इस कैलकुलेटर की मदद से लोगों को दोनों कर व्यवस्थाओं में टैक्स देनदारी के बारे में आसानी से पता चल सकेगा और इसके जरिए वे यह फैसला कर सकेंगे कि वे कौन सी व्यवस्था को चुनें। नई व्यवस्था में बदलाव वित्त वर्ष 2023-24 से लागू करने का प्रस्ताव है। इसमें छूट को 5 लाख से बढ़ाकर 7 लाख करना व स्टैंडर्ड डिडक्शन की अनुमति शामिल है।

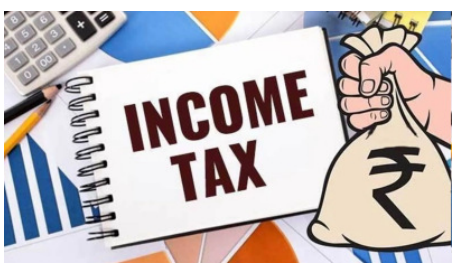

वेबसाइट पर दी गई है पूरी जानकारी

पुरानी व्यवस्था के कॉलम में आपको वह सभी जानकारी देनी होगी, जो कटौती के योग्य है। उधर, नई व्यवस्था में केवल कुल आय और स्टैंडर्ड डिडक्शन की जानकारी मुहैया करानी होगी। अंत में आपको इस टैक्स कैलकुलेटर से यह पता चल सकेगा कि नई और पुरानी कर व्यवस्था में से आपके लिए कौन सी व्यवस्था अच्छी है। इस आधार पर आप अपनी पसंदीदा व्यवस्था का चयन कर सकते हैं।

ऐसे काम करेगा कैलकुलेटर

कैलकुलेटर पहले कुल वेतन (दोनों व्यवस्था के तहत छूट वाले भत्ते काटने के बाद) से कटौती योग्य/छूट राशि (स्टैंडर्ड डिडक्शन को छोड़कर) जिसकी नई व्यवस्था में अनुमति नहीं है, वेतन और विशेष आयकर दर, ब्याज के अलावा अन्य आय के बारे में जानकारी मांगेगा। इसके लिए आपको आयकर विभाग की वेबसाइट के होम पेज पर जाकर टैक्स कैलकुलेटर को चुनना होगा। फिर इसमें आपके सामने नई और पुरानी दोनों कर व्यवस्था का कॉलम होगा। इसमें आकलन वर्ष और वित्त वर्ष से लेकर अपनी पूरी व्यक्तिगत जानकारी देनी होगी। इसके साथ कुल वेतन, अन्य साधनों से कमाई की जानकारी भी देनी होगी।

भारत का यूपीआई सिंगापुर के पे-नाऊ से जुड़ा

आम उपभोक्ता को इससे क्या फायदा

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

तेज गति भुगतान और आसान उपयोग की वजह से भारत का यूपीआई दुनियाभर में लोकप्रिय हो रहा है। सिंगापुर के पे-नाऊ और भारत के यूनीफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के बीच मंगलवार को सीमा पार कनेक्टिविटी लॉन्च हो गई। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सिंगापुर के पीएम हेसिन लूंग इस मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शुभारंभ के साक्षी बने।

इस सुविधा का शुभारंभ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास और सिंगापुर मौद्रिक प्राधिकरण (एमएएस) के प्रबंध निदेशक रवि मेनन ने किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यूपीआई-पेनाऊ लिंकेज (भारत और सिंगापुर के बीच) की शुरुआत दोनों देशों के नागरिकों के लिए एक उपहार है, जिसका वे बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मैं इसके लिए भारत और सिंगापुर दोनों के लोगों को बधाई देता हूं।

उन्होंने आगे कहा, 'आज के दौर में टेक्नोलॉजी हमें कई तरह से एक-दूसरे से जोड़ती है। फिनटेक एक ऐसा सेक्टर है जो लोगों को एक-दूसरे से जोड़ता है। आम तौर पर, यह एक देश की सीमाओं के भीतर सीमित है। लेकिन आज की लॉन्चिंग ने सीमा पार फिनटेक कनेक्टिविटी का एक नया अध्याय शुरू किया है। आज के बाद सिंगापुर और भारत के लोग अपने मोबाइल फोन से उसी प्रकार पैसे ट्रांसफर कर पाएंगे जैसे वो अपने अपने देश में करते थे।' उन्होंने दोनों देशों की करीबी को लेकर कहा कि भारत और सिंगापुर की मित्रता बहुत पुरानी है और समय की कसौटी पर हमेशा खरी उतरी है। यह भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की ही ताकत है कि कोविड के दौरान हम करोड़ों लोगों के बैंक खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर कर पाए। पांच साल पहले मैंने सिंगापुर में ही कहा था कि- फिनटेक इनोवेशन और युवा ऊर्जा में विश्वास का बहुत बड़ा उत्सव है।

डिजिटल लेन-देन होगा आसान

भारत और सिंगापुर के बीच पेमेंट सिस्टम के आपस में जुड़ जाने से दोनों देशों में रहने वालों लोगों को फायदा होगा। वे तेजी के साथ क्रॉस बार्डर रेमिटेंस (र्स्ूहम) बेहद तेजी और सस्ती दरों पर भेज सकेंगे। सिंगापुर में रहने वाले भारतीयों को सबसे ज्यादा इसका फायदा होगा, खासतौर से माइग्रेंट वर्कर्स और छात्रों को इससे जबरदस्त लाभ होगा। माइग्रेंट वर्कर्स अब यूपीआई और पे-नाओ के जरिए तेजी के साथ सस्ती दरों पर पैसा भारत भेज सकेंगे। वहीं, सिंगापुर में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को उनके अभिभावक यूपीआई के जरिए सिंगापुर में पैसे ट्रांसफर कर सकेंगे।

अभी तक एनआरआई यूपीआई के जरिए भुगतान करने में असमर्थ थे, क्योंकि यह सुविधा केवल भारतीय सिम कार्ड फोन पर ही उपलब्ध थी। लेकिन अब एनआरआई या फिर विदेश में रहने वाले भारतीय अपने एनआरई या एनआरओ अकाउंट को इंटरनेशनल सिम के साथ लिंक करके आसानी से यूपीआई के जरिए पेमेंट कर सकेंगे। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) दूसरे देशों में यूपीआई लेन-देन को बढ़ावा देने में जुटा है, ताकी डिजिटल पेमेंट का विस्तार किया जा सके।

दुनिया में इस तरह से फैल रहा यूपीआई

भूटान : यहां एनपीसीआई की अंतरराष्ट्रीय शाखा एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट लिमिटेड (एनआईपीएल) और भूटान की रॉयल मोनेटरी अथॉरिटी भीम-यूपीआई आधारित भुगतान प्रणाली लागू करने के लिए समझौता कर चुके हैं।

नेपाल : यूपीआई प्लेटफॉर्म लागू करने वाला पहला देश।

मलयेशिया : मर्केंट्रेड एशिया से साझेदारी। बैंक खातों में सीधे मिल रहा पैसा।

ओमान : रुपेकार्ड और यूपीआई प्लेटफॉर्म उपयोग हो रहा है।

यूएई : लुलु फाइनेंसिंग होल्डिंग, मशरक बैंक और नेटवर्क इंटरनेशनल के साथ समझौता।

फ्रांस : लायरा नेटवर्क से समझौता। पर्यटक यूपीआई से कर रहे भुगतान।

यूके : टैरा-पे व पे-एक्सपर्ट से समझौता।

अंतरराष्ट्रीय लिक्विड समूह व यूरोपीय कंपनी वर्ल्डलाइन के साथ समझौता : सिंगापुर, मलयशिया, थाईलैंड, फिलीपींस, वियतनाम, कंबोडिया, हांगकांग, ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, नीदरलैंड, बेल्जियम, लक्समबर्ग, स्विट्जरलैंड में यूपीआई को बढ़ावा।

जी-20 देशों के यात्रियों को यूपीआई की मिलेगी सुविधा

आरबीआई जी-20 देशों के यात्रियों को भारत में रहने के दौरान मोबाइल आधारित यूपीआई के इस्तेमाल की सुविधा देगा। इसके बारे में आरबीआई ने जानकारी दी है। आरबीआई ने बताया कि योग्य यात्रियों को मर्चेंट आउटलेट्स पर भुगतान करने के लिए यूपीआई से जुड़े प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (पीपीआई) वॉलेट जारी किए जाएंगे। जी20 देशों के प्रतिनिधि विभिन्न बैठक स्थलों पर भी इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।ँघ ने भारत आने वाले सभी यात्रियों को भारत में रहने के दौरान ळझ्ध का उपयोग करके स्थानीय भुगतान करने में सक्षम बनाने के लिए यह सुविधा शुरू की है। शुरुआत में यह चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों (बेंगलुरू, मुंबई और नई दिल्ली) पर जी-20 देशों के यात्रियों के लिए उपलब्ध है।

भारत और मध्य पूर्व के बीच सीमा पार भुगतान को बढ़ावा देने के लिए

एचडीएफसी बैंक एवं लुलु एक्सचेंज में साझेदारी

यूएई से भारत में त्वरित धन हस्तांतरण के लिए सबसे पहले 'RemitNow2India' सेवा शुरू करेगी

अबू धाबी। आईपीटी नेटवर्क

संयुक्त अरब अमीरात/मुंबई। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक - एचडीएफसी बैंक और संयुक्त अरब अमीरात स्थित वित्तीय सेवा कंपनी - लुलु एक्सचेंज ने भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र के बीच सीमा पार भुगतान को मजबूत करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अपने पहले चरण में, स्ाझ्ा दारा 'RemitNow2India' नामक एक डिजिटल इनवर्ड रेमिटेंस सेवा शुरू करने के लिए लुलु एक्सचेंज की विशेषज्ञता और नियामक ढांचे पर आधारित होगी, जो यूएई के निवासी व्यक्तियों को एचडीएफसी बैंक के डिजिटल बैंकिंग चैनल आईएमपीएस और एनईएफटी के माध्यम से भारत में किसी भी बैंक खाते में पैसा भेजने की अनुमति देगा। साझेदारी भारत में दो संस्थाओं के बीच मौजूदा संबंधों को भी मजबूत करेगी, जहां लुलु फाइनेंशियल ग्रुप लुलु फॉरेक्स और एनबीएफसी डिवीजन लुलु फिनसर्व का संचालन करता है।

साझेदारी पर बात करते हुए अरविंद वोहरा, ग्रुप हेड-रिटेल ब्रांच बैंकिंग, एचडीएफसी बैंक ने कहा 'हमारी साझेदारी से एक-दूसरे की ताकत पर बढेगी । एचडीएफसी बैंक संभवतः लुलु एक्सचेंज के कर्मचारियों, ग्राहकों और अन्य हितधारकों से भुगतान प्राप्त करने एवं लुलु एक्सचेंज जैसे एक विशाल नेटवर्क के साथ एक विश्वसनीय नाम का लाभ उठा सकता है। एक बैंक के रूप में, हम यूएई में लोगों को विशेष रूप से भारतीय समुदाय को देश में आसानी से और सहज तरीके से पैसा भेजने में मदद कर सकते हैं। लुलु फाइनेंशियल ग्रुप के एमडी अदीब अहमद ने कहा, 'हम एचडीएफसी बैंक के साथ साझेदारी करके और उनके डिजिटल बैंकिंग समाधानों पर हमारे रेमिटेंस-एज-ए-सर्विस प्लेटफॉर्म को सक्षम करने के लिए खुश हैं। यूएई-भारत भुगतान कॉरिडोर दुनिया में सबसे बड़ा है, और यह साझेदारी संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले हजारों भारतीय प्रवासियों के लिए धन हस्तांतरण को आसान बनाने के लिए मौजूदा क्षमताओं का निर्माण करेगी, जबकि जीसीसी के अन्य हिस्सों में इस सेवा के अंतिम एकीकरण की नींव स्थापित करेगी, जहां हमारी उपस्थिति है।' एचडीएफसी बैंक और लुलु एक्सचेंज दोनों ऑनलाइन और ऑफलाइन पहलों की एक श्रृंखला के माध्यम से इस साझेदारी का विस्तार करने के लिए एक-दूसरे की सद्भावना, विश्वास, नियामक तकनीक और सर्वोत्तम सेवा नेटवर्क का लाभ उठाएंगे।

विदेश यात्रा पर हर महीने करीब एक अरब अमेरिकी डॉलर खर्च कर रहे भारतीय

आरबीआई के आंकड़ों से खुलासा

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय विदेश यात्रा पर हर महीने करीब एक अरब अमेरिकी डॉलर खर्च कर रहे हैं, जो कोरोना महामारी से पहले के स्तर से काफी ज्यादा है। यह खुलासा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बाहर जाने वाली रेमीटेंस के आंकड़ों से हुआ है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान प्रवासी व्यक्तियों की यात्रा के लिए लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत विदेश भेजी रेमिटेंस 9.95 अरब डॉलर थी। वहीं, 2021-22 के दौरान इसी तरह का खर्च 7 अरब डॉलर था। कोविड-19 से पहले यह खर्च 5.4 अरब डॉलर था।

वी3ऑनलाइन के पार्टनर सपन गुप्ता ने बताया, भारतीय अपने परिवार या दोस्तों के साथ दुनिया घूम रहे हैं। वियतनाम, थाईलैंड, यूरोप, संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) और इंडोनेशिया (बाली) कुछ प्रमुख गंतव्य हैं, जिन्हें भारतीय पसंद करते हैं। संकश के को-फाउंडर आकाश दहिया ने कहा कि सस्ती यात्रा और तकनीकी प्रगति के कारण यात्रा उद्योग अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में बड़े पैमाने पर उछाल का अनुभव कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारे पोर्टफोलियो का 75 प्रतिशत हिस्सा अब अंतरराष्ट्रीय यात्रा का विकल्प चुन रहा है। हम भारतीयों के बीच यूरोप, बाली, वियतनाम और दुबई जैसे स्थानों की मांग में वृद्धि देख रहे हैं।

दहिया ने आगे कहा, यात्री 'यात्रा-नाउ-पे-लेटर' के कंसेप्ट (अवधारणा) के आदी हो गए हैं, जो उन्हें तारीख के करीब बुकिंग करने और एक गंतव्य लेने की अनुमति देता है जो अन्यथा उनकी जेब से बाहर है। इस प्रकार, गोवा की तलाश करने वाला व्यक्ति अब थाईलैंड जा सकता है, और थाईलैंड की योजना बनाने वाला व्यक्ति इसी सुदूर पूर्व का विकल्प चुन सकता है।

इस बीच, सरकार ने आम बजट में अगले वित्त वर्ष से विदेशी टूर पैकेज पर टीसीएस की दर मौजूदा पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रस्ताव से भारतीयों की विदेश यात्रा प्रभावित हो सकती है।

आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 2020-21 के दौरान बाहरी यात्रा पर खर्च तेजी से गिरकर 3.23 अरब डॉलर रह गया, जिसका मुख्य कारण कोविड-19 के प्रकोप के बाद प्रतिबंध है। 2019-20 और 2019-19 में यात्रा के लिए विदेशों में भेजा गया धन क्रमशः 6.95 डॉलर और 4.8 अरब डॉलर था।

कोटक महिंद्रा बैंक ने डिजिटल प्लेटफॉर्म कोटक फिन को लाइव किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

कोटक महिंद्रा बैंक (केएमबीएल) कोटक फिन के साथ लाइव हो गया। कोटक फिन एक संपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे विशेष तौर पर बिजनेस बैंकिंग और कॉरपोरेट ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। नया एकीकृत पोर्टल कोटक बैंक के ग्राहकों को व्यापकडिजिटल बैंकिंग के साथ ही ट्रेड एंड सर्विसेज, खाता सेवाएं, भुगतान और संग्रह के मामले में मूल्य-वर्द्धित सेवाओं की पेशकश करेगा। कोटक फिन का सिंगल प्लेटफॉर्म ग्राहकों के सामने आने वाली जटिलताओं और चुनौतियों को कम करता है। यह कई अलग-अलग लॉगिनऔर अलग-अलग यूजर इंटरफेस की जरूरत को खत्म करते हुए ग्राहकों के लिए सभी ट्रेड और सेवा लेनदेन को सहज और सुविधाजनक बनाता है। कोटक फिन पोर्टल कागज रहित लेन-देन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए कई उत्पाद-विशिष्ट पोर्टलों और बैक-ऑफिस सिस्टम में डेटा को एकीकृतकरने की सुविधा प्रदान करता है ताकि लेन-देन, पोजीशन और बैलेंस कोएक जगह दिखाया जा सके। साथ ही यह सेल्फ-सर्विस को सक्षम बनाता है, और परिचालन दक्षता को बढ़ावा देता है।

डेटा को व्यक्तित्व-आधारित डैशबोर्ड के माध्यम से जानकारी से भरपूर विजेट के साथ प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें यूजर्स को अपने अनुभव को विशिष्ट रूप से तैयार करने की क्षमता मिलती है। कोटक महिंद्रा बैंक के पूर्णकालिक निदेशक केवीएस मणियन ने कहा, ''आजके डिजिटल युग में हमारा मानना है कि ग्राहक तेज, चुस्त और सहज बैंकिंग अनुभव की तलाश में रहते हैं। बेहतर बैंकिंग अनुभव प्रदान करने के हमारेप्रयास के तहत अब हम कोटक फिन को पेश कर रहे हैं, जो वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म है और यह आपकी सभी बिजनेस-बैंकिंग जरूरतों काख्याल रखेगा। कोटक में हमारा मानना है कि आगे डिजिटल की जमाना होगा और फिन के साथ, हमें न केवल देश भर में डिजिटलीकरण को अपनाने बल्कि उसे बढ़ावा देने पर गर्व है।'

कोटक महिंद्रा बैंक के प्रेसिडेंट और होलसेल बैंकिंग के हेड पारितोष कश्यपने कहा, 'कोटक फिन बड़ा बदलाव लाने वाला साबित होगा। कईउद्योग-अग्रणी विशेषताओं के साथ फिन का अभिनव इंटरफेस हमारेकॉरपोरेट ग्राहकों के लिए बेहतर बैंकिंग अनुभव प्रदान करेगा। कोटक महिंद्रा बैंक में ग्लोबल ट्रांजैक्शन बैंकिंग के प्रेसिडेंट श्री शेखर भंडारी ने कहा, फिन हमारे उद्यम ग्राहकों के लिए एक सहज, उपयोग में आसान, व्यापक और एकीकृत पेशकश है। यह हमारे सभी ग्राहकों को मोबाइल, एपीआई और वेब जैसे सभी चैनलों के माध्यम से ट्रेड, संग्रह, खाता सेवाओं, लोन और भुगतानों की सुविधा देते हुए ग्राहक अनुभव को सहज बनाता है।

नेस्टअवे का इंदौर शहर में विस्तार

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती होम रेंटल नेटवर्क कंपनी नेस्टअवे टेक्नोलॉजीज ने मध्य प्रदेश की वाणिज्यिक राजधानी इंदौर में अपनी सेवाएं देकर वर्ष 2023 की शुरुआत की है नेस्टअवे टेक्नोलॉजीज शहर के मौजूदा निवासियों के साथ-साथ उन प्रवासियों को अच्छे घर प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास करती है जो रोजगार या किसी अन्य कारण से वहां चले गए हैं। भारत में लाखों मकान अलग अलग कारणों से खाली रहते हैं जिनमें विश्वास की कमी रखरखाव के मुद्दे, किरायेदार का समय पर घर खाली न करना और किरायेदार का समय पर किराया और अन्य उपयोगिता भुगतान न करना शामिल है। नेस्टअवे का उद्देश्य मकान मालिक के लिए क्रेडिट-वैरिफाइड किरायेदार प्राप्त करा कर इस मुद्दे को हल करना है।

कंपनी किराए और बिजली-पानी-इत्यादि बिल का समय पर भुगतान, और किरायेदार का रेन्टल अग्रीमेंट की समाप्ति पर घर खाली कर देना सुनिश्चित करती है। जीरो डिपॉजिट होम्स योजना के साथ किरायेदार को बिना बेदखली के डर के गुणवत्तापूर्ण आवास मिलते हैं कंपनी को पहले ही महिने में 200 से भी ज्यादा मकान मालिक पूछताछ कर चुके है इसके विपरीत 500 से भी ज्यादा किराएदारों ने नेस्टवे पर किराए का घर लेने में रूचि दिखाई है

नेस्टअवे टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक श्री अमरेंद्र साहू कहते हैं हमारा प्राथमिक लक्ष्य सभी को रहने और घर किराए पर लेने की आसान सुविधाष् प्रदान करना है और कंपनी ग्राहकों को बिना किसी परेशानी और बिना किसी भेदभाव के गुणवत्तापूर्ण आवास प्रदान करने का प्रयास निरंतर करती रहती है। हम आशा करते हैं कि इंदौर शहर में हमारी शुरूआत अंतर्निहित मुद्दों और चुनौतियों का समाधान करेगी और उनके लिए नेस्टअवे परिवार में शामिल होना आसान बनाएगी।

बीवीआर सुब्रमण्यम बनाए गया है नीति आयोग के नया सीईओ

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम को नीति आयोग (NITI Aayog) का नया सीईओ नियुक्त किया गया है। वह परमेश्वरन अय्यर का स्थान लेंगे, जिन्हें विश्व बैंक का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ED) नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ कैडर के 1987 बैच के आईएएस अधिकारी सुब्रमण्यम 30 सितंबर को सेवानिवृत्ति के बाद दो साल के अनुबंध पर भारत व्यापार संवर्धन संगठन (ITPO) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (MD) के तौर पर नियुक्त थे। कार्मिक मंत्रालय के सोमवार को जारी आदेश के अनुसार, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने सुब्रमण्यम की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तारीख से दो साल के लिए की गई है। सुब्रमण्यम कई प्रशासनिक पदों पर काम कर चुके हैं। वह पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के पर्सनल सेक्रेटरी

भी रहे थे।

नीति आयोग के सीईओ के तौर पर काम कर रहे अय्यर को विश्व बैंक मुख्यालय में तीन साल के लिए कार्यकारी निदेशक के तौर पर नियुक्त किया गया है। विश्व बैंक का मुख्यालय वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका में है। सरकारी आदेश में कहा गया कि अय्यर 1988 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश खुल्लर का स्थान लेंगे, जिन्हें उनके कैडर राज्य हरियाणा में वापस भेज दिया गया है। अय्यर 24 जून, 2022 को दो साल के लिए नीति आयोग के सीईओ नियुक्त किए गए थे। एक अन्य आदेश में, राजेश राय को सरकारी उपक्रम आईटीआई लिमिटेड में पांच वर्ष के लिए चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के तौर पर नियुक्त किया गया है। राय इस समय महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (MTNL) के महाप्रबंधक हैं।

कौन हैं सुब्रमण्यम

सुब्रमण्यम मूल रूप से आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं और उनके पास इंजीनियरिंग की डिग्री है। साथ ही उन्होंने लंदन बिजनस स्कूल से मैनेजमेंट की डिग्री भी ली है। 2004 से 2006 तक वह प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के प्राइवेट सेक्रेटरी रहे। कुछ समय वर्ल्ड बैंक में बिताने के बाद वह 2012 में पीएमओ में लौटे थे। उन्होंने साल 2015 तक पीएमओ में काम किया था। उसके बाद वह छत्तीसगढ़ लौट गए थे। वहां वह पहले प्रिंसिपल सेक्रेटरी बने और फिर उन्हें एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) बनाया गया। साल 2018 में सुब्रमण्यम को जम्मू-कश्मीर का चीफ सेक्रेटरी बनाया गया। उनके कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म किया गया था और राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटा गया था। जानकारी के मुताबिक सुब्रमण्यम उन चंद अधिकारियों में शामिल थे जिन्हें जम्मू-कश्मीर के बारे में केंद्र के फैसले की पहले से जानकारी थी। बाद में उन्हें कॉमर्स सेक्रेटरी बनाया गया था।

पुरानी दिल्ली के स्वाद वाले शाही भोजन का आनंद सयाजी के एनराइज राऊ में

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सयाजी द्वारा संचालित एनराइज राऊ का मोमेंट रेस्तरां दिल्ली की गलियों के विश्वसनीय व्यंजनों के ज़ायक़े के साथ भोजन प्रेमियों का स्वागत करता है। इस दिल्ली 6 फूड फेस्टिवल में 'कुल्हे की चाट, छोले भटूरे, काकोरी कबाब से लेकर तंदूरी चिकन तक उपलब्ध है। स्वादिष्ट व्यंजन जैसे दही भल्ला, रूमाली रोटी, रोगनी नान, दाल दिल रूबा, कुलिया चाट, मटन निहारी कोफ्ता, श्याम सवेरा, दूध वाली रोटी, दही गुझिया, नूरानी कबाब, कलमी वड़ा, शीरमाल, भुट्टा सीक कबाब, मुर्ग बेगम बहार, आलू टिक्की आदि खानपान का एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। कुछ स्वादिष्ट मिठाइयां जैसे रबड़ी फालूदा, पपीता हलवा, फिरनी, शाही टुकड़ा, दौलत की चाट मिठाई पसंद करने वालों को संतुष्टि प्रदान करती है।

श्री मनीष कुमार, ऑपरेशंस मैनेजर, एनराइज राऊ - सयाजी ने बताया कि 'यह फूड फेस्टिवल 17 फरवरी को शुरू हुआ और 26 फरवरी तक चलेगा। हमें खुशी है कि हम अपने मेहमानों को दिल्ली के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। अपनी अनूठी मनभावन पेशकशों और बेदाग सेवा के साथ, हमने इस त्योहार को एक नई ऊंचाई प्रदान किया है।'' मोमेंट शुद्ध व्यंजनों और सिग्नेचर डाइनिंग का अनुभव प्रदान करता है। यह विभिन्न प्रकार के व्यंजन पेश करता है, जिसमें पंजाबी, दक्षिण भारतीय, चीनी, इतालवी, फ्रेंच, मेडिटेरेनियन आदि शामिल हैं।

ज़ी टीवी पर अपने नए शो 'मैत्री' को प्रमोट करने इंदौर पहुंचीं एक्ट्रेस भाविका चौधरी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

देश भर के दर्शकों का दिल छू लेने वालीं कई कहानियां दिखाने के बाद ज़ी टीवी ने हाल ही में एक नया शो 'मैत्री' लॉन्च किया है। प्रयागराज की पृष्ठभूमि में रचा-बसा यह शो मैत्री (श्रेनु पारिख) और नंदिनी (भाविका चैधरी) का सफर दिखाता है, जहां दोनों एक दूसरे को दिल से बहन मानती हैं। बचपन से ही इन दोनों पक्की सहेलियों के बीच एक अटूट रिश्ता रहा है, मगर यूं लगता है जैसे उनकी दोस्ती को लेकर ज़िंदगी ने कुछ और ही सोच रखा है।

आज किस्मत के एक अजीब मोड़ पर दोनों एक दूसरे के आमने-सामने हैं। आखिर इन दोनों पक्की सहेलियों के बीच ऐसा क्या हुआ कि आज वो एक दूसरे के खिलाफ हो गई हैं? जहां इस शो की शुरुआत दर्शकों के जबर्दस्त रिस्पॉन्स के साथ हुई है, वहीं इसकी लीड एक्ट्रेस भाविका चैधरी आज इंदौर पहुंचीं।

इस शो में भाविका चैधरी नंदिनी का रोल निभा रही हैं, जो मैत्री की बचपन की पक्की दोस्त है।

नंदिनी एक ग्लैमरस लड़की है, जो जहां भी जाती है, लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती है। जब वो छोटी थी, तभी उसके मां-बाप अलग हो गए थे, जिसके चलते आज वो स्वभाव से एक ज़िद्दी लड़की बन गई है, जो साफ बोलना पसंद करती है। अपनी इंदौर यात्रा को लेकर भाविका चौधरी बताती हैं, ''मुझे खुशी है कि मुझे इतना बड़ा प्रोजेक्ट मिला।

इस शो में मैं नंदिनी का रोल निभा रही हूं जो एक स्ट्रॉन्ग और ग्लैमरस लड़की है। मैं अपने किरदार के हर हिस्से को एंजॉय कर रही हूं और हर दिन इसकी शूटिंग करना बड़ा मजेदार होता है। श्रेनु और मैं रियल लाइफ में भी बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं और वो जितनी अनुभवी एक्टर हैं, उससे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। इस शो में नमिश तनेजा, श्रेनु पारिख, ज़ान खान? और अनन्या खरे जैसे शानदार कलाकारों के अलावा अन्य कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे हैं।

काला हकीक इन 4 राशियों के लिए माना जाता बेहद शुभ, जानिए धारण करने की विधि

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

प्रत्येक व्यक्ति की कुंडली किसी न किसी ग्रह-नक्षत्र से प्रभावित रहती है। ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए ज्योतिषी रत्न धारण करने की सलाह देते हैं। रत्न ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर करने में सहायक होते हैं। इस क्रम में आज हम काल हकीक के बारे में बात करेंगे। इस रत्न का संबंध राहु, केतु और शनि ग्रह से होता है। इसे धारण करने से धन में और भाग्य में वृद्धि होती है। आइए जानते हैं इस रत्न को धारण करने की विधि और इससे होने वाले लाभ।

किन्हें धारण करना चाहिए काला हकीक

वैदिक ज्योतिष के अनुसार काला हकीक वृष राशि, मिथुन राशि, कन्या राशि, तुला राशि, मकर राशि और कुंभ राशि के लोग पहन सकते हैं। यदि आपकी जन्मकुंडली में राहु, केतु और शनि ग्रह में से एक ग्रह भी उच्च का है, तो इस रत्न को विधिवत तरीके से धारण किया जा सकता है।

किन्हें नहीं धारण करना चाहिए काला हकीक

यदि आप मेष, वृश्चिक और सिंह राशि के जातक हैं, तो आपको काला हकीक पहनने से बचना चाहिए। अन्यथा नुकसान हो सकता है। साथ ही ब्लैक हकीक के साथ माणिक्य और मोती पहनने से बचना चाहिए।

काला हकीक से होने वाले लाभ

1.काला हकीक शनि, राहु और केतु तीनों ग्रहों के प्रकोप से व्यक्ति को बचा सकता है।
2.इस रत्न को धारण करने से बुरी नजर से बचा जा सकता है।
3.ऐसे लोग जिन्हें अनिद्रा की शिकायत रहती है, उन्हें हकीक धारण करने से फायदा होता है।
4. काला हकीक धारण करने से व्यापार में गति आने की मान्यता है।
5. काला हकीक धारण करने से व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास की वृद्धि होती है।

इस विधि से करें धारण

बाजार से कम से कम से 7 से सवा 7 रत्ती का काला हकीक खरीदना चाहिए। इस रत्न को चांदी की धातु में जड़वाकर पहनना चाहिए। वहीं, इसको शनि के नक्षत्र या शनिवार के दिन शाम को धारण करना चाहिए। अंगूठी को धारण करने से पहले उसको पहले गंगाजल और गाय के कच्चे दूध से शुद्ध कर लेना चाहिए। फिर अंगूठी को धारण कर सकते हैं।

रसोई घर में खाने बनाने से पहले और बाद में इन बातों का रखें खास ध्यान, अनदेखा करने से होगा नुकसान

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

भारतीय ज्योतिष शास्त्र के अनुसार तवा और कढ़ाई का राहु ग्रह से संबंध होता है। यदि रसोई घर महिला द्वारा गंदी कढ़ाई और तवे का इस्तेमाल किया जाता है, तो महिला के पति और बच्चों को राहु ग्रह के अशुभ प्रभाव का सामना करना पड़ता है। राहु के दुष्प्रभाव से बचने के लिए आपको अन्य उपायों के साथ अपनी रसोईघर पर भी ध्यान देना चाहिए। आज हम आपको रसोई घर में तवे और कढ़ाई से जुड़ी 5 ऐसी बातें बताएंगे जिन पर ध्यान देना आपके लिए आवश्यक है।

इन बातों का रखें ध्यान

1.कभी भी रसोई घर में तवे या कढ़ाई को उल्टा नहीं रखना चाहिए। हमेशा तवे और कढ़ाई जहां खाना बनता है उसके दाएं तरफ रखें। कभी भी खाना बनने के बाद उसे खाली चूल्हे पर न रखें। जब रात को खाना बना लें तो तवे को धो कर रखें।

2.तवे एवं कढ़ाई को कभी जूठा करना चाहिए और ना ही कभी जूठी चीजें रखना चाहिए। इन दोनों चीजों की पवित्रता का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। घर में इनकी स्वच्छता का जितना ध्यान रखा जाएगा धन के आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे। अन्यथा दरिद्रता का सामना करना पड़ता है।

3.जब तवा ठंडा हो जाए तब उस पर नीबू और नमक रगड़ें, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार तवे के चमकदार होने से आपकी किस्मत भी चमकती है। वहीं, तवे और कढ़ाई को गंदा रखने से राहु अशुभ फल देता है।

4.तवे या कढ़ाई को कभी भी तीखी चीज से ना खुरचें। बल्कि उसे गला कर रख दीजिए और बाद में आराम से चिपकी सामग्री को हटाएं।

5.गर्म तवे पर कभी भी पानी न डालें। इससे होने वाली छन्न की आवाज आपके जीवन में मुश्किलों का शोर पैदा कर सकती है।

घर-परिवार की कई परेशानियां दूर कर सकता है गंगाजल, जानिए इससे जुड़े उपाय

हिंदू धर्म में गंगा को नदी ही नहीं माता माना जाता है। इसके जल को अमृत के समान बताया गया है और सभी धार्मिक कार्यों में इसका इस्तेमाल होता है। भगवान शिव की जटाओं से निकलनेवाली गंगा के बारे में मान्यता है कि इसमें स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं। हर साल अमावस्या, पूर्णिमा और अन्य शुभ तिथियों पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगा में स्नान करते हैं और इसकी पूजा करते हैं। गंगाजल को धार्मिक ही नहीं वास्तु शास्त्र में भी काफी महत्व दिया गया है। आज हम आपको गंगाजल से जुड़े वास्तु के उपायों के बारे में बताने जा रहे है, जिससे आपके जीवन की बाधाएं दूर होंगी और घर-परिवार के माहौल में सकारात्मकता आएगी।

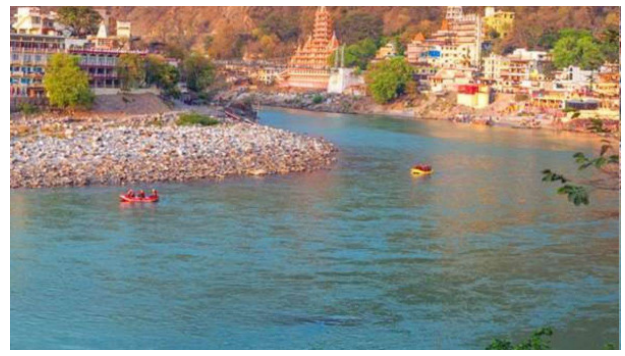

आचार्य संतोष भार्गव
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

गंगाजल के उपाय

यदि कुंडली में ग्रह दोष की वजह से जीवन में परेशानियां आ रही हैं, तो प्रत्येक सोमवार को गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे ग्रह दोष शांत होते हैं और उनका नकारात्मक प्रभाव कम होने लगता है।

शनि देव को शांत करने के लिए शनिवार को एक कलश में पानी लेकर उसमें थोड़ा सा गंगा जल मिला लें। फिर इस जल को पीपल की जड़ में अर्पित करें। इससे शनि का दोष दूर होता है।

घर में परिवार के सदस्यों के बीच बिना वजह लडाई-झगड़े होते हों, तो इसके पीछे घर का वास्तु दोष हो सकता है। इससे मुक्ति के लिए रोज पूजा के बाद घर से सभी कमरों में गंगाजल का छिड़काव करें।

यदि घर का कोई सदस्य बार-बार बीमार पड़ रहा हो, तो ये वास्तु दोष हो सकता है। इसे दूर करने के लिए उसके स्नान के जल में थोड़ा गंगाजल मिलाएं। साथ ही पूजा के बाद रोजाना गंगाजल का आचमन कराएं। इस पवित्र जल के सेवन से बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

अगर अक्सर रात में बुरे सपने आते हैं, या बुरी नजर की वजह से बच्चा रात भर रोता रहता है, तो सोने से पहले बिस्तर पर गंगाजल का छिड़काव कर लें। साथ ही बच्चे पर गंगाजल के छींटें मारें। इससे बुरी नजर का असर खत्म हो जाएगा और रात में अच्छी नींद आएगी।

2047 तक सबका करना है बीमा

तो अनेक बीमा कंपनी, इंश्योरेंस प्रोडक्ट की आवश्यकता

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारत में बीमा का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन अभी भी इंश्योरेंस पेनीट्रेशन अपर्याप्त है। बीमा क्षेत्र के नियामक इरडा का कहना है कि साल 2047 तक सभी व्यक्ति को इंश्योरेंस कवरेज देने के लिए कई काम करने होंगे। इनमें ज्यादा संख्या में बीमा कंपनी, इंश्योरेंस प्रोडक्ट की व्यापक श्रृंखला और अधिक डिस्ट्रीब्यूटर की आवश्यकता है।

इरडा के चेयरमैन का है कहना

बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के चेयरमैन देवाशीष पांडा ने मंगलवार को यह बात कही। उन्होंने यहां भारतीय निजी इक्विटी एवं उद्यम पूंजी संघ के वार्षिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बीमा क्षेत्र को दो दशक पहले प्राइवेट कंपनियों के लिए खोला गया था। अब इश्योरेंस का बाजार बहुत बड़ा हो गया है। लेकिन अभी भी इसमें तेज वृद्धि के लिए बहुत अधिक गुंजाइश है। उनका कहना है कि जब तक बीमा कंपनियों की संख्या नहीं बढ़ेगी तो बाजार कैसे तेजी से बढ़ेगा।

बीमा के लाभार्थी की संख्या अभी भी कम

उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में इस क्षेत्र में हर साल 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तब भी साल 2021 में यहां 4.2 फीसदी लोगों तक ही इंश्योरेंस का कवरेज पहुंच पाया है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा बहुत कम है और इसे बढ़ाने की जरूरत है। पांडा ने कहा, ''हमारा 1.4 अरब आबादी वाला विविधता से भरा देश है। यहां एक उत्पाद सभी के लिए सही नहीं हो सकता है। इसकी जगह हमें अनूठे उत्पादों की जरूरत है, जो बेहद अमीर और साथ ही बेहद गरीब, दोनों की बीमा जरूरतों को पूरा कर सकें।''

70 कंपनियां पूरा नहीं कर सकतीं मांग

पांडा ने कहा कि इंश्योरेंस प्रोडक्ट की डिमांड बढ़ती ही जा रही है। इस डिमांड को आज 70 कंपनियां तक सीमित नहीं किया जा सकता। पांडा ने कहा, ''इसलिए, हमें 2047 तक सभी का बीमा करने के लिए अधिक संख्या में बीमा कंपनियों, उत्पादों की व्यापक श्रृंखला और अधिक वितरण साझीदारों की जरूरत है।''

टैलेंट स्प्रिंट ने वूमेन इंजीनियरों के पांचवे संस्करण की घोषणा की, गुगल कर रहा सहयोग

हर चयनित (चुने हुए) छात्र को 100 प्रतिशत फी स्कालरशिप और 100,000 नकद स्कालरशिप

कोहार्ट (ग्रुप) 5 के आवेदनपत्र 28, फरवरी 2023 तक लिए जाएंगे। ज्यादा जानकारी के लिए प्रोग्राम की वेबसाइट we.talentsprint.com देखें

मुंबई। एजेंसी

विश्व की जानी-मानी एडटेक कंपनी और डीपटेक प्रोग्रामों के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में बदलाव ला रही,टैलेंट स्प्रिंट ने वूमेन इंजीनियरों (डब्लूई) के अपने पांचवे संस्करण की घोषणा की है। इस वर्ष के कार्यक्रम का उद्देश्य देश भर की ऐसी 200 महिला इंजिनियरिंग छात्रों की पहचान करना, चुनना और उन्हें ट्रेनिंग देकर देकर इस तरह से विकसित करना है जो विश्व स्तरीय साफ्टवेयर इंजिनियर बन सकें। जो भी छात्रा इसमें चयनित होगी उसे 100ः फी स्कालरशिप और 100,000 की नकद स्कालरशिप दी जाएगी।

डब्लूई का मुख्य उद्देश्य अलग-अलग तरह के सामाजिक-आर्थिक पृष्ठिभूमि की मेधावी महिला इंजीनियरिंग छात्राओं का चुनाव करना है जिन्हें उच्च स्तरीय टेक कैरियर के लिए तैयार किया जा सके। प्रोग्राम में इस बात पर खास ध्यान रखा जाता है कि इन छात्राओं को उच्च स्तरीय विश्लेषण का कौशल्य, पहले से चल रहे प्रोजेक्टों, समस्या समाधान का कौशल्य, टैक के उत्कृष्ट टीचरों द्वारा मिल सके। यह प्रक्रिया एक सफल टैक कैरियर के लिए जरूरी होती है। गुगल ने टेकनोलाजी के माध्यम से मूल पहल करके इस कार्यक्रम की शुरूआत से ही मदद की है जिससे महिलाओं को सशक्त बनाया जा सके।

पांचवे कोहार्ट की हुई घोषणा के विषय में बोलते हुए गुगल के वीपी-जीएम शिव वैंकटरमन ने कहा, 'हमारा वूमैन इंजिनियरों (डब्लूई) को इस कार्यक्रम में सहयोग देने का उद्देश्य गुगल द्वारा चलाए जा रहे स्थानीय वर्गों की मदद करना है और यह प्रोग्राम टैलेंट पूल को तैयार करने की एक कड़ी है। हमें खुशी है कि हम लगातार टैलेंटस्प्रिंट को उसके इन सराहनीय प्रयासों में मदद कर रहे हैं। यह कंपनी उन वर्गों का सफल कैरियर बनाने में लगी है जो टैक के क्षेत्र में अपनी परिस्थितियों के कारण बहुत ज्यादा आगे आ पाने में कामयाब नहीं होते। हमें इस बात से बहुत खुशी है कि इस कार्यक्रम के दवारा टैक के विभिन्न क्षेत्रों में आ रहे बदलावों में सहयोग दिया जा रहा है और हम भविष्य की इन महिला लीडरों का इकोसिस्टम में स्वागत करने के लिए तैयार हैं।'

टैलेंट स्प्रिंट के सीईओ और एमडी डॉ. सांतनु पाल का कहना है, टैलेंटस्प्रिंट वूमेन इंजीनियर्स प्रोग्राम की शुरूआत 2019 में हुई थी जिसका लक्ष्य महिलाओं का ऐसा आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी इकोसिस्टम तैयार करना था जिसमें क्षमतावान, तकनीकि रूप से योग्य और आत्मविश्वासी प्रोफेशनल्स को कठिन और आसान दोनों तरह के कौशल्य का प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी हो सकें। हमारा वर्षों का अनुभव रहा है कि जो छात्र मशहूर और कुलीन संस्थाओं से विशेष तरह का शिक्षण प्राप्त करते थे वह दौर अब खत्म हो चला है। डब्लूई प्रोग्राम से उच्च स्तरीय शिक्षा सबको सुलभ हो रही है और अच्छा प्लेसमेंट भी हो रहा है।'

डब्लूई के इस दो साल वाले गहन प्रोग्राम में टैलेंटस्प्रिंट की उच्च स्तरीय फैकेल्टी और इंडस्ट्री के विशेषज्ञों के अलावा, गुगल के इंजीनियरों और तकनीकि विशेषज्ञों की मदद से छात्राओं को पढ़ाया जाता है। जो पहले वर्ष की बीटेक या बीई की छात्राएं हैं, और आईटी, सीएसई, ईईई, एआई, गणित, एपलाइड मैथ या समकक्ष विषयों की पढ़ाई कर रही हैं और जिन्होंने 10वीं और 12वीं में 70ः से ज्यादा अंक प्राप्त किया है वे इस प्रोग्राम के लिए आवेदन कर सकती हैं।

इसके चयन की प्रक्रिया काफी कठिन है और सिर्फ 1ः मेधावी छात्राएं ही इस प्रोग्राम में दाखिला ले पाती हैं। पहले चार कोहार्ट में 70,000 से ज्यादा आवेदनपत्र देश भर की 500 यूनिवर्सिटियों और इंजीनियरिंग कालेजों से प्राप्त हुए थे। इनमें से 750 छात्राओं को इस कार्यक्रम के लिए चुना गया। ज्यादातर 34ः छात्राएं पहली पीढ़ी की स्नातक थीं और 25ः के लगभग ग्रामीण भारत से आई थीं।

यह प्रोग्राम टैक के क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक तौर पर बढ़ी हुई लैंगिक (जेंडर) खाई को पाटने का काम करता है, और यह बहुत कारगर सिद्ध हुआ है क्योंकि डब्लूई वर्ग का विस्तार एक ऐसे उच्च स्तरीय और मेधावी महिलाओं के ग्रुप में हुआ है जो नेटवर्किंग और टैलेंट मेनटरिंग के माहौल में अपना खुद का इकोसिस्टम तैयार कर रही हैं। वूमैन इंजीनियर्स की छात्राओं को लगभग 100ः प्लेसमेंट दुनिया भर की 50 ग्लोबल कंपनियों में मिला हुआ है। इन छात्राओं को बाजार के पैमानों के मुताबिक औसत वेतन 3ं का मिल रहा है और कुछ तो 54 लाख रूपए वार्षिक वेतन पर भी काम रही हैं। इस बात से पता चल जाता है कि डब्लूई प्रोग्राम उन युवा महिला छात्राओं के लिए एक बदलाव वाला प्लेटफार्म साबित हुआ है, जो अपनी प्रतिभा के बल पर एक अच्छा ग्लोबल कैरियर बनाना चाहती हैं।

हीरो मोटोकॉर्प ने लॉन्च किया हाई-टेक 110 सीसी स्कूटर - XOOM

पहली कॉर्नर बेंडिंग लाइट्स के साथ, सेगमेंट में पहली बार बड़े और चौड़े टायर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मोटरसाइकिल और स्कूटर बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने मध्य प्रदेश के इंदौर में नया 110 सीसी स्कूटर-XOOM लॉन्च किया है। हीरो मोटोकॉर्प स्कूटर की श्रेणी को फिर से परिभाषित कर रही है और इसने स्कूटर सेगमेंट में तकनीक से लैस अपने सफर के नए चरण को पेश किया है। रोजाना के सफर में रोमांच और उत्साह की तलाश करने वाले संभावित उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए, XOOM को बेहद खूबसूरती और सावधानी से डिजाइन और विकसित किया गया है। XOOM स्कूटर उपभोक्ताओं को समकालीन डिजाइन के साथ जबर्दस्त रफ्तार, बेमिसाल चपलता और असाधारण परफॉर्मेंस प्रदान करता है। हीरो XOOM की 110 सीसी श्रेणी में एक नया रूप और डिजाइन पेश किया गया है। इंडस्ट्री में पहली बार नए फीचर के रूप में कॉर्नर बेंडिंग लाइट्स और सेगमेंट में पहली बार नए फीचर्स, बड़े और चौड़े टायर और 110 सीसी सेगमेंट में ज़िपी ऐक्सेलरेशन के साथ यह स्कूटर अपने ओनर्स को बेमिसाल गतिशालता के अनुभव की गारंटी देता है।

हीरो मोटोकॉर्प के चीफ ग्रोथ ऑफिसर (सीजीओ) रंजीवजीत सिंह ने कहा, 'पिछले कुछ सालों में हीरो मोटोकॉर्प ने प्रतिष्ठित ब्रैंड लॉन्च किए हैं, जिसने देश के लोगों को अपनी और आकर्षित किया है। हीरो मोटोकॉर्प का अपने उपभोक्ताओं से बेहतर और मजबूत जुड़ाव है। अपने बेमिसाल डिजाइन और Hero XOOM की परफॉर्मेंस से हम अपने सफर में नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। नया Hero XOOM युवा भारत की आवश्यकताओं को गहराई से समझने का नतीजा है। कॉर्नर बेंडिंग लाइट्सTM ने Hero XOOM के साथ 110 सीसी सेगमेंट में अपना डेब्यू किया है। यह अपने ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। जब स्कूटर सवार टर्न ले रहा होता है या किसी संकरी जगह से गुजर रहा होता है तो कॉर्नर बेंडिंग लाइट्स अपनी बेजोड़, चमकदार और साफ प्रकाश से अंधेरे कोनों को भी जगमगा देता है।

एफएमसी ने भारत में किसानों के लिए ड्रोन स्प्रे सेवाएं पेश कीं

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

कृषि विज्ञान कंपनी, एफएमसी ने भारत में किसानों के लिए अपनी ड्रोन स्प्रे सेवाएं शुरू करने की घोषणा की। भारत में हवाई परिवहन सेवाओं का नियमन करने वाले सरकारी निकाय, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) से अनुमति प्राप्त ड्रोन कृषि कार्य में मानव श्रम की जरूरत में कमी लाकर खेतों की उत्पादकता बढ़ाएगा। एफएमसी की ड्रोन स्प्रे सेवा एफएमसी इंडिया के किसान ऐप द्वारा प्राप्त की जा सकती है, जो भारत की सात क्षेत्रीय भाषाओं को सपोर्ट करता है। यह सेवा इस समय आंध्र प्रदेश में उपलब्ध है और इस माह के अंत तक मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी उपलब्ध हो जाएगी।

एफएमसी इंडिया के प्रेसिडेंट, श्री रवि अन्नावरप्पू ने कहा, ''कृषि क्षेत्र में टेक्नॉलॉजी लगातार विकास कर रही है। देश में कृषि मशीनरी पर होने वाले खर्च में ड्रोन का हिस्सा 2030 के अंत तक 2 प्रतिशत तक पहुँच जाएगा। इस पायलट फेज़ में एफएमसी भारतीय किसान समुदाय को लाभान्वित करने के लिए ड्रोन एप्लीकेशन में अपनी विशेषज्ञता और अपने गहरे वैश्विक ज्ञान का

उपयोग करेगा। हम पहले तीन माह में इन चयनित राज्यों में भारतीय किसानों के बीच अपनी पहुँच बढ़ाना और फिर अगला खरीफ मौसम शुरू होने से पहले पूरे देश के किसानों को अपनी सेवाएं देना चाहते हैं।''

ये कृषि ड्रोन छिड़काव के एक समान कवरेज के लिए ज्यादा नियंत्रण प्रदान करते हैं, और एफएमसी के प्रीमियम एवं किसानों के भरोसेमंद ब्रांड्स कोराज़न कीटनाशक और बेनेविया कीटनाशकों का छिड़काव ज्यादा सटीकता से होता है। हर स्प्रे ड्रोन 15 से 20 मिनट में 3 से 4 एकड़ खेत में छिड़काव कर सकता है, जिससे छिड़काव का काम ज्यादा तेजी और आसानी से हो जाता है। ड्रोन का उपयोग किसानों को मौसमी जोखिमों, जैसे लू लगने आदि से भी सुरक्षा प्रदान करेगा।

श्री अन्नावरप्पू ने कहा, ''हमने किसानों को हमेशा नए एवं अनोखे समाधान प्रदान करने का प्रयास किया है, जिससे सततता के साथ खेत की पैदावार बढ़े। हम ग्रामीण उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन टेक्नॉलॉजी, प्रशिक्षण और वित्तपोषण उपलब्ध कराएंगे। इसके अलावा, सरकार ड्रोन संचालन जैसे आवश्यक कौशल का विकास कर टेक्नॉलॉजी की मदद से कृषि को आधुनिक और ज्यादा प्रभावशाली बनाने पर केंद्रित है। भारतीय कृषि परिवर्तन के दौर में है, और हमारा विश्वास है कि ड्रोन सेवाएं कृषि विधियों में परिवर्तन लाने में मुख्य भूमिका निभाएंगी। हमें भारतीय कृषि समुदाय को यह सेवा प्रदान करने में अग्रणी होने पर गर्व है।'' एफएमसी किसान ऐप आईओएस ऐप स्टोर और एन्ड्रॉयड प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

देश के 40 लाख जूट किसानों से जुड़े फैसला को कैबिनेट से मिली मंजूरी

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

देश के 40 लाख जूट किसानों को फायदा देने के लिए सरकार ने एक फैसला किया। सरकार ने पैकेजिंग में जूट के अनिवार्य उपयोग के नियमों को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। इससे शत-प्रतिशत खाद्यान्न जबकि 20 प्रतिशत चीनी की पैकिंग अनिवार्य रूप से जूट के बैग में करने का रास्ता साफ हो गया है। इस आशय का फैसला प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हुआ।

जूट वर्ष 2022-23 के लिए हुआ है फैसला

सरकारी सूत्रों के मुताबिक जूट वर्ष 2022-23 (एक जुलाई, 2022 से 30 जून, 2023) के लिए पैकेजिंग में जूट के अनिवार्य इस्तेमाल के आरक्षण संबंधी नियमों को मंजूरी दी गई। इन नियमों के तहत खाद्यान्न की 100 प्रतिशत और चीनी की 20 प्रतिशत पैकिंग जूट बैग में करना अनिवार्य है। इससे जूट उद्योग को काफी बल मिलने की संभावना है।

लाखों किसानों और मजदूरों को होगा फायदा

बताया जाता है कि इस फैसले से करीब 40 लाख जूट किसानों को फायदा होगा। इस फैसले से उत्दूी, ण्पन्दू, थ्ल्त्दै व्लू जैसी कंपनियों को भी फायदा हो सकता है। ये तीनों कंपनियां जूट से जुड़े कारोबार में हैं और ये शेयर बाजार में भी लिस्टेड हैं। इस फैसले से इन कंपनियों के शेयर भी चढ़ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि करीब हर साल 8,000 करोड़ रुपये का जूट किसानों से खरीदा जाता है। इसका प्रसंस्करण जूट मिलों में होता है। इन नियमों को मंजूरी मिलने से जूट मिलों और अन्य संबद्ध इकाइयों में कार्यरत 3.7 लाख मजदूरों को भी फायदा होगा।

पर्यावरण के लिए बढ़िया

जूट एक प्राकृतिक, बायोडिग्रेडेबल, नवीकरणीय और पुनः उपयोग वाला फाइबर है। यह सभी स्थिरता मानकों को भी पूरा करता है। इसलिए यदि सरकार इसके उपयोग को बढ़ावा देती है तो पर्यावरण को भी फायदा होगा। उत्तर भारत के लिए जूट उद्योग भले ही मायने नहीं रखता है लेकिन यह देश के पूर्वी हिस्से मसलन पशिचम बंगाल, बिहार, ओडिशा, असम, त्रिपुरा, मेघालय के लिए महत्वपूर्ण है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए भी यह काफी महत्व रखता है। जूट पैकेजिंग सामग्री (जेपीएम) अधिनियम के तहत आरक्षण नियम जूट क्षेत्र में 3.7 लाख श्रमिकों और कई लाख जूट किसानों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराता हैं। जेपीएम अधिनियम, 1987 जूट किसानों, कामगारों और जूट सामान के उत्पादन में लगे व्यक्तियों के हितों की रक्षा करता है। जूट उद्योग के कुल उत्पादन का 75 प्रतिशत जूट के बोरे (सैकिंग बैग) हैं, जिसमें से 85 प्रतिशत की आपूर्ति भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य खरीद एजेंसियों (एसपीए) को की जाती है और बकाया उत्पादन का निर्यात/सीधी बिक्री की जाती है। सरकार खाद्यान्नों की पैकिंग के लिए हर साल लगभग 9,000 करोड़ रुपये मूल्य के जूट के बोरे खरीदती है जिससे जूट किसानों और कामगारों को उनकी उपज के लिए गारंटीशुदा बाजार सुनिश्चित होता है।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष में मिलेट्स के गुणों का प्रचार
श्री अन्न का प्रचार कर रहा साबू ट्रेड सेलम

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

स्वास्थ्यप्रद उत्पादों के निर्माता साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड ने 5 वर्ष पहले सेलम में एक अत्याधुनिक प्लान्ट मिलेट प्रसंस्करण के लिये लगाया, जिसमें आस पास के खेतों से आये उन्नत किस्म के विभिन्न मिलेट को मिट्टी - कंकड़ अलग कर उपरी छिलका उतार कर सोर्टेक्स क्लीन कर कुकरीजॉकीरु ब्रांड में 500 ग्राम की आकर्षक उपभोक्ता पैकिंग में पैक किया जाता है। 2023 अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित होने के कारण कंपनी उत्पादित पाँच विशेष पोषक मिलेट (मोरधन-भगर, झंगोरा, कंगनी, कोदरा और रागी) जिनमें प्रचुर मात्रा में रेशे और भरपूर विटामिन्स - मिनरल्स होते हैं और जो दैनिक भोजन के लिये सर्वश्रेष्ठ हैं, की मांग देश के साथ साथ विदेशों में भी होने लगी है।

साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमेन श्री गोपाल साबु ने कहा कि कम्पनी की योजना बड़े रुप में शीघ्र ही मिलेट की एक व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित करने की है, जिससे लोग इसके दैनन्दिन उपयोग का लाभ ले सकें। श्री साबु ने कहा कि गत पाँच छह वर्षों से लोगों के दैनिक खानपान में मिलेट के उपयोग को बढ़ाने के लिये साबु ट्रेड, साबुदाना के अलावा मिलेट से भी सरल, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन बनाने की छोटी छोटी विडियो क्लिप्स बनाकर यू-ट्युब पर अपलोड करता आ रहा है । ताकि लोग इन्हें देख कर स्वयं मिलेट के स्वादिष्ट व्यंजन बना सकें। उसके अतिरिक्त लोगों को उपरोक्त पाँचों प्रकार की पॉजीटिव पोषक मिलेट के स्वाद से परिचित कराने के लिये साबु ट्रेड 2022 की नवरात्रि से इन्दौर शहर में अपने विक्रेताओं की दूकान पर लगातार बदल बदल कर किसी एक मिलेट की सुस्वादु खिचड़ी बनवा कर निःशुल्क,अलग अलग स्थानों पर रसास्वादन कराता आ रहा है।

साबु ट्रेड द्वारा सितम्बर 2022 में हिन्दी में प्रकाशित मिलेट हैंडबुक'उपरोक्त लिंक से डाउनलोड की जा सकती है तथा एक रंगीन पम्फलेट 'मीलेट से भोजन कैसे बनाएँ? विभिन्न पौष्टिक भोजन बनाने के तरीके'प्रकाशित कर भारत के सभी प्रमुख शहरों में वितरित करवाता रहा है, जिससे लोगों को इन पोषक मिलेट के अद्वितीय स्वास्थ्यप्रद गुणों की जानकारी हो सके और उपभोक्ता आसान तरीके से इसका पूर्ण लाभ उठा सकें। इसी कड़ी में फरवरी माह के अंत तक अल्पाहाररु ब्रांड के अंतर्गत ताल-मखाना (इर्ध्ं ऊळ) बाज़ार में लाने वाला है । मखाना एक प्राकृतिक तालाब में उपजने वाला फल है जिसे सिर्फ भारत में ही प्रसंस्कृत किया जाता है । इसी माह के अंत तक कम्पनी अपने अल्पाहार ब्रांड में 100 ग्राम की आकर्षक 'जिपर पैकिंग'में सर्वोत्तम क्वालिटी का मखाना बाजार में प्रस्तुत करने जा रहे हैं। हम ये उम्मीद करते हैं, कि जिस तरह उपभोक्ताओं ने साबूदाना, हल्दी, खोपरा बुरा, मिलेट्स, रेडी टू ईट खमण व इडली मिक्स को पसंद किया है, उसी प्रकार से वे हमारे नए उत्पादों को भी पसंद करेंगे। अल्पाहाररु मखाना बाज़ार में लाना भी साबु ट्रेड का स्वास्थ्य के प्रति समर्पण ही दोहराता है।

जुपी ने सलमान खान को बनाया ब्रांड एंबेसडर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे तेजी से बढ़ते ऑनलाइन कौशल-आधारित गेमिंग प्लेटफॉर्म में से एक जुपी ने सबसे बड़े सुपरस्टार सलमान खान को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है इस सहयोग के साथ जुपी का लक्ष्य बढ़ते ऑनलाइन गेमिंग स्पेस में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना है और स्किल आधारित गेमिंग को अर्थपूर्ण मनोरंजन के सबसे पसंदीदा रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करना है। इस साझेदारी के हिस्से के रूप में, जुपी ने एक ब्रांड अभियान 10 मिनट में गेम हो जाएगा लॉन्च किया जिसका उद्देश्य लूडो सुप्रीम ट्रम्प काड्र्स मेनिया और स्नेक्स एंड लैडर्स प्लस जैसे मजेदार बाइट साइज के गेम्स के जुपी के अनूठे प्रस्ताव के बारे में जागरूकता फैलाना है। जुपी के संस्थापक और सीईओ श्री दिलशेर सिंह मल्ही ने कहा हम सलमान खान को अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में पाकर रोमांचित हैं जुपी के कौशल आधारित कैजुअल और बोर्ड गेम के पोर्टफोलियो का दर्शकों के विविध समूह द्वारा आनंद लिया जाता है देश में सबसे पसंदीदा और प्रतिष्ठित सितारों में से एक के रूप में उनकी जन अपील सीमाओं, जनसांख्यिकी और संस्कृतियों में विस्तार करती है हमें यकीन है कि यह गठबंधन उपभोक्ताओं के साथ जुड़ाव को गहरा करने में मदद करेगा और सार्थक मनोरंजन के माध्यम से ऑनलाइन गेमर्स के जीवन में खुशी लाने के जुपी के दृष्टिकोण को और आगे बढ़ाएगा।

जोश टॉक्स ने ओमिड्यार नेटवर्क इंडिया के सहयोग से सिटी चैंपियंस लॉन्च किया

शहरी परिवर्तनकारियों को सम्मानित करने और सीखने का मंच

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

क्षेत्रीय कंटेंट एवं अपस्किलिंग प्लेटफॉर्म, जोश टॉक्स ने विकास पर केंद्रित इन्वेस्टमेंट फर्म, ओडिचार नेटवर्क इंडिया (ओएमआई) के सहयोग से सिटी चैंपियंस का लॉन्च किया। अपने मल्टीमीडिया अभियान द्वारा इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय शहरों में जमीनी स्तर पर रहकर काम कर रहे शहरी परिवर्तनकारियों और संगठनों को पहचानकर उन्हें सम्मानित व पुरस्कृत करना है। इसके लिए 31 मार्च, 2023 तक आवेदन मंगाए जा रहे हैं। इस सहयोगपूर्ण प्रयास द्वारा जोश टॉक्स और ओएनआई का उद्देश्य सस्टेनेबल शहर व समुदायों का निर्माण करने के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल और ''वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर'' की जी20 प्राथमिकताओं के साथ काम करना है। डब्लूयूएस (वर्ल्ड अर्बनाईज़ेशन प्रॉस्पेक्ट्स, 2018) के अनुसार, 2050 तक भारत की 50 प्रतिशत से ज्यादा आबादी शहरों में रह रही होगी। सिटी चैंपियंस कैम्पेन आठ थीमेटिक सेक्टर्स पर केंद्रित है, जो हमारे शहरों के समग्र विकास के लिए जरूरी हैं। इनमें परिवहन, कचरा प्रबंधन, जल एवं स्वच्छता, सेवा आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवा, आपदा प्रबंधन एवं सामान्य जन कार्य शामिल हैं। इस कैम्पेन का उद्देश्य परिवर्तनकारियों और संगठनों को अपना प्रभाव बढ़ाने और हमारे समाजों में परिवर्तन लाने के लिए सीमित संसाधन उपलब्ध कराना है। इस कैम्पेन के बारे में सुप्रिया पॉल, को-फाउंडर एवं सीईओ, जोश टॉक्स ने कहा, ''जोश टॉक्स का उद्देश्य संबंधित रोल मॉडल की कहानियों का प्रदर्शन करना है, जो युवाओं को काम करने की प्रेरणा दे सकें। सिटी चैंपियंस इस दिशा में उठाया गया कदम है। हम भारत में जमीनी स्तर पर रहकर काम कर रहे परिवर्तनकारियों को सम्मानित करने के लिए ओएनआई के साथ गठबंधन करके बहुत खुश हैं। हमें उम्मीद है कि वो अगली पीढ़ी को अपने शहरों व समुदायों में परिवर्तन लाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।'' शिल्पा कुमार (पार्टनर), ओएनआई ने कहा, ''शहरी समस्याओं पर काम कर रहे परिवर्तनकारियों को सम्मानित करके सिटी चैंपियंस का उद्देश्य इस क्षेत्र में काम करने वाले उद्यमियों के लिए एक सस्टेनेबल सपोर्ट का नेटवर्क बनाना है। इन उद्यमियों का मिशन शहरों में सुधार लाना है, जो शहरों में रहने वाली अगली 35 प्रतिशत आबादी, यानि लगभग आधे बिलियन लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए जरूरी है। हम इस प्लेटफॉर्म का निर्माण करने के लिए जोश टॉक्स का सहयोग करके उत्साहित हैं, और हमें उम्मीद है कि यह प्लेटफॉर्म आने वाले कई सालों तक चैंपियंस को सम्मानित करता रहेगा।''

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।